

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रारंभ

(रविवार, १७ जुलाई, २००५)

समय : सुबह ९:०० से १२:००

कुल अंक : १००

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ। बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी।

स्टीकर
इस कोष्ठक
में ही लगाएँ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है।

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की बैठकक्रमांक
(अंको में)

--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी की उम्र

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें।

वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर

👉 सूचनाएँ :-

- मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग सुपरवाइज़र से अपना विवरणयुक्त स्टीकर प्राप्तकर अपनी उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर लगाकर वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर करा ले।
- वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर बिना की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।
- दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुणांक दर्शाते हैं।
- सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- छेकछाक वाले उत्तर अमान्य होंगे।
- परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में लिखे। पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर मान्य नहीं होंगे।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक
	१	
	२	
	३	
	४	
	५	
	६	
	७	
	८	
	९	
	१०	
	११	
	१२	
	१३	
	१४	
	कुल	

परीक्षक के हस्ताक्षर :

.....

(विभाग - १ : घनश्याम चरित्र)

प्र. १ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

[५]

१. व्रजविहारी ब्राह्मण से रामायण की कथा सुनकर घनश्याम को क्या प्रेरणा मिली ?

.....

२. घनश्याम ने लक्ष्मीजी से क्या वादा किया ?

.....

३. नवाब से परेशान होकर धर्मदेव कुटुंब सहित कुछ दिनों के लिए अयोध्या छोड़कर कौन-से गाँव में रहने गए थे ?

.....

४. घनश्याम के दायें पैर में कितने और बायें पैर में कितने चिह्नों थे ?

.....

५. रामदयाल को दर्शन दिया उस समय घनश्याम की उम्र कितनी थी ?

.....

प्र. २ निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे कहते हैं, यह लिखिए। (किन्हीं पाँच)

[१०]

१. “तो अब लाओ मिठाई, हमें खूब भूख लगी है।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

२. “हम लोग आपके लिए रोज़ भोजन थाल लायेंगे।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

३. “घनश्याम तो भगवान है, और संसार में वह हमेशा उदासीन रहता है।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

४. “मेरे दाँये पैर में सौ हाथी जितना बल है।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

५. “जब भी जरूरत हो उनकी रक्षा के लिए मुझे अवश्य बुलाइयेगा।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

६. “इतने सालों तक एकादशी का व्रत नहीं रखा है। खाया, पीया और मौज किया है।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

७. “ये आम तो हमने गिराए हैं।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

प्र. ३ कोष्ठक में से योग्य शब्द पसंद करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

[१०]

१. घनश्याम मीन सरोवर से पानी पर चलकर किनारे पर आये उस वक्त सबको घनश्याम में
के दर्शन हुए। (यमराज, कृष्ण भगवान, रामचंद्र भगवान)

२. अमई नाई ने हजामत पूरी की फिर घनश्याम ने में स्नान किया।

(मीन सरोवर, नारायण सरोवर, खांपा तलावड़ी)

३. घनश्याम ने सरोवर की मछलियों को जीवित किया। (नारायण, मीन, मान)

४. घनश्याम को खरोंच लग गई तब रामप्रताप को बुलाने दौड़े। (वेणी, ईच्छाराम, सुखनंदन)

५. घनश्याम ने खाते खाते कान विंधवाये । (साकर, शीरा, गुड़)
६. सुवासिनी भाभी ने मुट्टी खुलवाकर देखा तो घनश्याम के हाथ में दाँत के बदले थे । (हीरा, मोती, माणेक)
७. घनश्याम के वचन पर विश्वास रखकर ने उन्हें ठंडे जल से नहलाया । (भक्तिमाता, लक्ष्मीबाई, चंदा मौसी)
८. घनश्याम ने संवत् की आषाढ शुक्ला दशमी के दिन गृहत्याग किया । (१८४९, १८५५, १८५६)
९. घनश्याम ने काशी की सभा में मत रखा, उसका निर्णय दिया । (द्वैत, अद्वैत, विशिष्टाद्वैत)
१०. घनश्याम रोज सुबह बजे उठते थे । (तीन, साढ़े तीन, चार)
- प्र. ४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य वाक्य लिखिए। (टिप्पणी आवश्यक नहीं है।) [५]
१. खिचड़ी के बदले खीर । २. हिंसा बन्द करवाई । ३. मौसी को चमत्कार ।

प्रसंग :

१.
२.
३.
४.
५.

- प्र. ५ विभाग 'ब' में से योग्य उत्तर का क्रमांक पसंद कर विभाग 'अ' के सामने दी गई खाली जगह में केवल उत्तर क्रमांक लिखकर जोड़ें बनाइए । [५]

'अ'	'ब'
१. माछीमार	१. रामचंद्र भगवान
२. धर्मदेव	२. सदाशिव
३. भक्तिमाता	३. चौबीस अवतार
४. काशी के पंडितों	४. यमराज
५. ब्रजविहारी ब्राह्मण	५. चतुर्भूज नारायण

(विभाग - २ योगीजी महाराज)

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्य कौन किससे कहते हैं, यह लिखिए। (किन्हीं पाँच) [१०]

१. “एकबार आप भावनगर पधारिये, तो हम सबको सत्संग का सौभाग्य प्राप्त हो ।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

२. “वैरागी बन बैठा है । तो फिर साधु क्यों नहीं हो जाता ?”

कौन कहता है? किसे कहता है?

३. “तुमने हाथ रखा, उसमें मान लो मेरा भी हाथ आ गया ।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

४. “आप इतना क्यों सह लेते हैं ?”

कौन कहता है? किसे कहता है?

५. “मैं तुम लोगों को ध्यान करना सिखला दूँगा ।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

६. “योगीजी महाराज जो की चौबीसो घंटे सेवा ही करते रहते हैं, उनसे रसोई का काम भी आप लोग करवाते हो ?”

कौन कहता है? किसे कहता है?

७. “कृपिया कुछ उपदेश दीजिए ।”

कौन कहता है? किसे कहता है?

प्र. ७ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। [५]

१. योगीजी महाराज ने कितने संतों को अमेरिका में सत्संग का प्रचार जारी रखने के लिए भेजा था ?

.....

२. प्रथम मिलन के समय झीणा भगत एवं संतों ने शास्त्रीजी महाराज को क्या भेंट किया ?

.....

३. योगीजी महाराज ने क्लोरोफोर्म की असर से होश में आने पर क्या कहा ?

.....

४. योगीजी महाराज साढ़े चार बजे उठकर युवकों को क्या बातें करते थे ?

.....

५. योगीजी महाराज का जन्म कब हुआ था ? (दिन, महीना, वर्ष)

.....

प्र. ८ कोष्ठक में से योग्य शब्द पसंद करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। [१०]

१. गाँव में योगीजी महाराज तथा संतों को द्वेषी साधुओं ने मार मारा ।

(केरिया, मोजीदड़, सांकरदा)

२. संवत् १९६७ चैत्र शुक्ला त्रयोदशी के दिन ने झीणा भगत को त्यागी की दीक्षा दी ।

(कृष्णचरणदास स्वामी, कृष्णजी अदा, श्रीपतिप्रसादजी महाराज)

३. अक्षरदेरी में घंटों तक स्वामिनारायण मंत्र की धून की, तब योगीजी महाराज को कालेनाग का जहर

उतर गया ।

(१२, २४, २५)

४. सद्गुरु कृष्णचरणदास स्वामी अन्नकूट का उत्सव समारोह मनाने प्रतिवर्ष गाँव में जाते थे ।
(लोधिका, हजडियाळा, मेंगणी)
५. धारी के मंदिर की सेवा के लिए की नजर झीणाभाई पर पड़ी ।
(देवचंदभाई, मोहनभाई, जेठाभाई)
६. नामक एक द्वेषी साधु ने योगीजी महाराज का बहुत अपमान किया ।
(नारायणप्रसाद, भगवत्स्वरूपदास, विज्ञानदास)
७. गिरनार की तलेटी से लौटते हुए झीणा भगत रोज दातून की बड़ी गढरी तैयार कर लाते थे ।
(२००, २५०, ३००)
८. शास्त्रीजी महाराज के स्वधाम यात्रा के बाद के दिन गढड़ा में धूमधाम से मूर्तिप्रतिष्ठा का समारोह किया गया ।
(छठे, दसवें, ग्यारहवें)
९. अपनी इकहत्तरवीं जन्मजयंती के दिन योगीजी महाराज ने नवजवानों को भागवती दीक्षा देकर साधु बनाया ।
(७०, ५१, २५)
१०. तीसरे बार की विदेश यात्रा में योगीजी महाराज ने मंदिर में मूर्तिप्रतिष्ठा की ।
(मोम्बासा, टरोरो, नाईरोबी)

प्र . ९ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए। (विवरण आवश्यक नहीं है।) [५]

१. मुझे साधु बनाइए । २. मैं तो सेवक हूँ । ३. पराभक्ति ।

प्रसंग :

१.
.....
२.
.....
३.
.....
४.
.....
५.
.....

(विभाग - ३ किशोर सत्संग प्रारंभ)

प्र. १० निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

[१०]

१. मूलजी क्या कहकर सारा दूध पी गये ?
.....
२. कौन-से राजा राज्य में बहुत काम होते हुए भी स्वयं घंटों तक भगवान की पूजा किया करते थे ?
.....
३. भाल प्रदेश के सोढ़ी गाँव में श्रीजीमहाराज ने किसको दातून लाने भेजा था ?
.....

४. भगुजी की यमराज से रक्षा करने श्रीजीमहाराज ने किसको बैठाया था ?

.....

५. किसने किसने बचपन में ही भगवान की भक्ति की थी ?

.....

६. महाराज ने कोली के लड़के को दश सेर शक्कर ईनाम में क्यों दिलवाई ?

.....

७. श्रीजीमहाराज ने शूरवीर बाल भक्त को प्रह्लाद से भी ज्यादा महत्व क्यों दिया ?

.....

८. कौन-से दो संतों ने पूजाभाई को सत्संगी बनाया ?

.....

९. मंदिर में जाकर पहले क्या करना चाहिए ?

.....

१०. स्वामिनारायण मंत्र से कौन-से तीन वस्तुओं का बन्धन छूटा जा सकता है ?

.....

प्र. ११ कोष्ठक में से योग्य शब्द पसंद करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

[५]

१. की बातें सूनकर वजीबा को सत्संग हुआ ।

(रामदास स्वामी, मूलजी ब्रह्मचारी , श्रीजीमहाराज)

२. श्रीजीमहाराज ने सामत पटेल से कहा, “तो मैं रुपिया रख लूंगा ।”

(चार हजार, दो हजार, एक हजार)

३. ने महाराज को फरियाद किया कि ये जीवुबा, लाडुबा दूध को जला रही है ।

(जोधा भरवाड़, नाजा जोगिया, पूजा डोडिया)

४. शास्त्रीजी महाराज को ने साधु की दीक्षा दी थी ।

(विज्ञानानंद स्वामी, श्रीविहारीलालजी महाराज, श्रीपतिप्रसादजी महाराज)

५. श्रीजीमहाराज ने में मंदिर बनवाकर उन्होंने अपनी मूर्ति वहाँ प्रतिष्ठित की ।

(वरताल, अहमदाबाद, गढ़डा)

प्र. १२ निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत - यह बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए।

[५]

१. उत्तर अथवा दक्षिण दिशा की ओर मुख रखकर पूजा के लिए बैठना चाहिए ।

.....

२. सद्गुरु भूमानंद स्वामी ने चार दिन उपवास करने के बाद ‘जमो थाल.....’ की रचना की ।

.....

३. वजीबा श्रीजीमहाराज को ‘भतीजा’, ‘बेटा’ कहकर प्यार से स्वागत करती थी ।

.....

४. अखंडानंद स्वामी ने विचार किया कि “भगवान के धाम में किसी दिन तो पहुँचना ही है, तो आज ही सही ।”

५. महाराज ने नाथ भगत को गढडा से बड़ौदा वापस बुलवाया ।

प्र. १३ निम्नांकित में से किन्हीं पाँच कीर्तन / अष्टक / श्लोक की रिक्तता की पूर्ति कीजिए।

[१०]

१. करी काठा

..... घीमां चढ़ी ।

२. स्वस्थानं

..... च ॥

३. वाणी

..... प्रिय ।

४. सकल शास्त्र

..... गुणातीतानंद ।

५. सद्बुद्धि

..... विदारी ।

६. जाके नामजपादि से

..... प्रेम से ।

७. पुरुषोत्तम

सिद्धि ।

प्र. १४ निम्नलिखित स्वामी द्वारा कही गई बातें में से किसी भी एक की पूर्ति कर उसका निरूपण कीजिए।

(दस वाक्य में)

[५]

१. प्रेमभक्ति से भगवान.....

२. जैसे बरौनी आँख.....

()